एनआइआरएफ रैंकिंग में 20वें पायदान पर आइआइएम रांची : डा शैलेंद्र कुमार

यूएन ग्लोबल कांपैक्ट व यूएन पीआरएमइ का सदस्य बनने वाला पहला आइआइएम

जासं, रांची : आइआइएम रांची के निदेशक प्रोफेसर डा शैलेंद्र सिंह ने पिछले पांच वर्षों की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि 2018 में हम एनआइआरएफ रैंकिंग में 40वें पायदान पर थे। लेकिन सभी फैकल्टी और कर्मियों के योगदान ने बेहतर रिजल्ट किया है। अब हम पूरे देश में प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में 20वें स्थान पर हैं। इतने कम समय में यह उपलब्धि बेहतर है लेकिन अभी मंजिल तय करना बाकी है। यूएन ग्लोबल काम्पैक्ट और यूएन पीआरएमइ का सदस्य बनने वाला यह पहला आइआइएम है। बेहतर रिजल्ट का ही परिणाम है कि इतने कम समय में फिलहाल संस्थान में 1020 छात्र-छात्राएं प्रबंधन की बारीकियां न सिर्फ सीख रहे हैं बल्कि झारखंड राज्य के विकास में अपनी अहम भूमिका भी निभा रहे हैं। प्रेसवार्ता को संबोधित करते निदेशक ने कहा कि झारखंड में विकास और प्रबंधन की असीम संभावनाएं हैं। हमने राज्य के बजट-2022 निर्माण में भी सहयोग किया। प्रबंधन कौशल के क्षेत्र में हमारे बच्चे बेहतर कर रहे हैं। एम्स देवघर, सरकार के उद्यमिता विकास में भी पूर्ण सहयोग कर रहे हैं। पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स, दो वर्षीय एमबीए बिजनेस एनालिटिक्स और अधिकारियों के लिए दो साल का एमबीए कोर्स शुरू किया गया है। एक इंटरनेशनल पीयर रिव्यू जर्नल आइआइएम रांची जर्नल आफ मैनेजमेंट स्टडीज थ्रू एमराल्ड पब्लिशिंग की भी शुरूआत की गई है। दुनिया भर के शीर्ष बिजनेस स्कूलों से इस संस्था का टाई अप है। अनुसूचित जाति व जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए भी नियमित रूप से भर्ती अभियान चलाया जाता है।

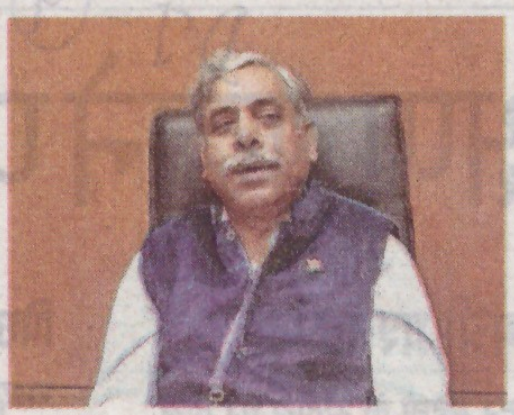

डा शैलेंद्र कुमार सिंह ● जागरण

1020 छात्र-छात्राएं आइआइएम से पढ़ झारखंड के विकास में निभा रहे अपनी अहम भूमिका

संसाधनों के विकास के लिए विभाग को दिया गया है प्रपोजल

निदेशक ने कहा कि फिलहाल हमारे यहां 16 नए क्लास रूम हैं लेकिन हास्टल व फैकल्टी की कमी को लेकर कदम उठाए जा रहे हैं। जल्द ही इन कमियों को दूर कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी पहल से अब प्रतिवर्ष डा शैलेंद्र सिंह बेस्ट पीएचडी थ्योरीज के लिए अवार्ड दिया जाएगा। इस मद में उन्होंने अपने निजी कोष से 2.10 लाख रूपए संस्थान को प्रदान किए हैं। इस मौके पर कहा कि उनका तबादला आइआइएम लखनऊ हुआ है और उनकी जगह प्रो पीके बाला को प्रभार सौंपा जाएगा।

Dainik Jagran_08.03.2022_Pg. 04